

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था  
सत्संग शिक्षण परीक्षा  
सत्संग प्रवेश  
प्रश्नपत्र - २

दोपहर २:०० से ४:१५] (रविवार, २१ फरवरी, १९९९)

कुल अंक : ७५

सूचना : प्रश्न की दाहिनी तरफ उस के अंक दर्शाए गए हैं ।

(विभाग - १ किशोर सत्संग प्रवेश)

- प्र. १. निम्नलिखित में से कोई भी दो अवतरण कौन, किस से और कब कहते हैं, यह लीखिए । ६
१. "पटेल तो सुखी थे और ज्यादा सुखी हुए ।"
  २. "मुझे भी यह विचार आता है कि मुझे क्या कसर है ?"
  ३. "स्वामी तो एक रामानंद ही ईसलिये मुझे दर्शन के लिये नहीं आना ।"
- प्र. २. निम्नलिखित में से किसी एक पर लगभग १५ पंक्तियों में टिप्पणी लीखिए । ५
१. जालमसिंह बापु ।
  २. गुरु-शिष्य ।
  ३. व्यापकानंद स्वामी ।
- प्र. ३. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए । ६
१. सगराम का कौनसा संकल्प श्रीजीमहाराज ने परिपूर्ण किया ?
  २. रत्नाकर ने चारों भाईओं को रत्न किस कारण से दिए ?
  ३. श्रीजीमहाराज ने काशीदास का हाथ पकडकर क्या वचन दिया ?
  ४. श्रीजीमहाराज ने खुश होकर दुबली भट्ट को क्या दिया ?
  ५. सच्चिदानंद स्वामी का खप कैसा था ?
  ६. सत्संगी को कैसे वस्त्र नहीं पहनने चाहिए ?
- प्र. ४. नीचे दी गयी "स्वामी की बात" पूर्ण कर के उसका विवरण लीखिए । ६
- भगवानने कहा है जो ..... अथवा  
प्रहलादजीने नारायण के साथ .....

- प्र. ५. निम्नलिखित में से किन्हीं भी चार कीर्तन/अष्टक/श्लोक की शेष पंक्तियाँ पूर्ण कीजिए । ८

१. मान तजी ..... उनकूं मन दीजे ।.... निशदिन ।
२. एकान्तिकं ..... नमामि ।
३. हिंसा न करनी जंतुकी ..... कोईकूं लगात ।
४. वल्कल वस्त्र धरी ..... मुक्तानंद प्रेमथकी पूजता हो ।
५. पुरुषोत्तम नारायण ..... सहजानंदी ।
६. श्रद्धावान लभते ..... गच्छति ।

(विभाग - २ शास्त्रीजी महाराज)

- प्र. ६. निम्नलिखित में से कोई भी दो अवतरण कौन, किस से और कब कहता है, यह लीखिए । ६

१. "मुझे तो सुरत जाना है और स्वामी की सेवा में रहना है ।"
२. "वह जमीन दो लाख में न हो, आपने पच्चीस हजार में ली है ।"
३. "यह तो सब साधुओं और भीमजी का तूत है, शास्त्री तो शुद्ध है ।"
४. "वे तो कटे हुए व्याज को निकालनेवाले हैं ।"

- प्र. ७. नीचे में से किसी एक विषय पर संक्षिप्त टिप्पणी लीखिए । ५  
(१५ पंक्तियों में)

१. जागाभक्त के दर्शन की मनाई खत्म की ।
२. कथीर में से हीरा ।
३. सच्चे गुरुभक्त शास्त्रीजी महाराज ।

- प्र. ८. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लीखिए । ६

१. शास्त्रीजी महाराज के विद्यागुरु कौन कौन थे ?
२. शास्त्रीजी महाराज की साधुता के बारे में गोरधनभाई कोठारी क्या कहते ?
३. शास्त्रीजी महाराज और योगीजी महाराज का प्रथम मिलन कहाँ हुआ था ?
४. वडताल में हरिकृष्ण महाराज के आगे शास्त्रीजी महाराज ने क्या प्रार्थना की ?
५. गोंडल में मंदिर करने के लिये महाराज ने कौनसी शरते रखी ?
६. अटलादरा मंदिर की प्रतिष्ठा किस साल में, कौनसी तिथिको हुई ?

प्र. ९. निम्नांकित में से किन्हीं दो पर लगभग १२ पंक्तियों में टिप्पणी लीखिए ।

८

१. अक्षरपुरुषोत्तम उपासना प्रवर्तन में शास्त्रीजी महाराज ने सहन किए हुए कष्ट ।
२. बोचासण मंदिर ।
३. शास्त्रीजी महाराज की सुवर्णतुला ।
४. डुंगर भक्त का त्यागी होने का ईशक ।

प्र. १०. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए ।

४

१. शास्त्रीजी महाराज की प्रथम जन्मजयंति का विचार ..... हरिभक्त को हुआ ।
२. आराम तो मैं ..... में अखंड करता हूँ ।
३. आणंद में प्रथम समैये में ही ..... रूपये लिखे गये ।
४. लक्ष्मीवाडी में शास्त्रार्थ में शास्त्रीजी महाराजने ..... को पराजित किया ।

( विभाग - 3 'सत्संग प्रारंभ' परीक्षा की पुस्तकों के आधार पर )

प्र. ११. नीचे दिए गए सभी विषयों पर विस्तृत टिप्पणी लीखिए ।

१५

१. मल्लों का पराजय । अथवा कालिदत्त का वध ।
२. भाल की बीबडी । अथवा वीर भगुजी ।
३. योगीजी महाराज का देह का अनादर । अथवा  
झीणाभगत का विद्यार्थी जीवन

